

**Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh****Conducted****MATUSHREE MANIBEN MANSI BHIMSHI CHHADVA -DHARMIK SHIKSHAN BOARD**

Website : jainshikshan.org

E-mail : jainshikshanboard@gmail.com

११ अगस्त २०१९ - प्रश्न पेपर - गुण - १०० समय : २ से ५

श्रेणी - २

- प्र. १ क) पाठनी पूर्ति करो : (दरेकना ३ मार्क) (४५)
(२४)
१. दंसण वा वि वावन्न
 २. सुअे बारस बिहस्स
 ३. कोहाअे आसायणाअे
 ४. जीव जाणी हणवा निमित्ते
 ५. मुसावायाओ इत्यादि
 ६. केसवाणिज्जे सर दह तलाग
 ७. ते उपरांत सर्इच्छाअे तिविहेणं
 ८. दुविहे पन्नते जाणियव्वा
- ख) नीचे आपेला शब्दना गुजराती अर्थ लखो. (८)
- | | |
|--------------|---------------|
| १. उत्तिंग | ५) निंदामि |
| २. भमलीअे | ६) पुंडरियाणं |
| ३. उज्जोयगरे | ७) सव्वन्नूणं |
| ४. पसीयंतु | ८) जिय भयाणं |
- ग) नीचेना शब्दने मागधीमा लखो. (८)
- | | |
|-------------------------------|------------------------------|
| १. गंधहस्ती समान | ५) स्तुति करायेला |
| २. धर्मरथना सारथीओ | ६) अेक स्थाने स्थिर राखीने |
| ३. उपासना करुं छुं | ७) स्पर्श करी खेद पमाडयो होय |
| ४. सर्वोत्कृष्ट भाव समाधि आपो | ८) करोळियाना जाळा - पड |
- घ) सामायिकना ३ २ दोषमांथी लखो / तथा कया दोष लागे ते लखो. (५)
१. मननो छदठो दोष
 २. वचननो नवमो दोष
 ३. कारण विना अन्य पासे सेवा कराववी
 ४. द्रष्टिने स्थिर न राखे, आम तेम जोता रहेवुं
 ५. सामायिकमा राग द्वेष करवा ।

प्र. २ क) नीचेना प्रश्नोमांथी कोइपण ७ प्रश्नना जवाब लखो.

(७)

१. भमराने केटली इन्द्रिय होय ? कई कई ?
२. मंत्र कोने कहे छे ?
३. इरिया वहियंने आलोचनानो पाठ शामाटे कहे छे ?
४. पहेला अने बीजा नमोत्थुणंमां शुं तफावत छे ?
५. पंच परमेष्ठिने ज नमस्कार केम करवामा आवे छे ?
६. लोगस्स अने नमोत्थुणंमां शु तफावत छे ?
७. प्रदक्षिणा त्रणवार शा माटे कराय छे ?
८. नमस्कार मंत्रना अक्षर केटला छे ? अने गुण केटला छे ?

ख) खाली जग्या पूरो.

(३)

१. जगतमां सर्वथी श्रेष्ठ मंत्र छे ।
२. द्वादशावर्त अटले आवर्तनवाळुं वंदन ।
३. व्रतने दुषित करवावाळी प्रवृत्तिथी थाय छे ।
४. काउसग्गमां रहेवावाळी मर्यादा अथवा छूटछाटो ने कहेवाय छे ।
५. बे घडी अटले मिनिट अर्थात १ मुहूर्त ।
६. भक्तिभाव, आदरभाव रहित सामायिक करवी तेने दोष कहे छे ।

ग) फक्त संख्या लखो.

(५)

- | | |
|--------------------|------------------------|
| १. पापस्थानक | ६. करण |
| २. घातीकर्म | ७. शल्य केटला |
| ३. सामायिकना उपकरण | ८. कार्योत्सर्गना आगार |
| ४. योग | ९. विराधनाना प्रकार |
| ५. वंदनाना प्रकार | १०. सामायिकना दोष |

प्र. ३ क) संस्कार विभाग : नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो.

(१२)

१. पोताना कर्मबंधने तोडवा माटे रोज शुं करवुं जोइअे ?
२. आ दुनिया शेनाथी भरेली छे ?
३. श्रद्धा अने व्रत माटे आपणे कोने याद करीशुं ?
४. आत्मा शामाटे देखातो नथी ?
५. सिध्द भगवान केवा छे ? तेमने शुं शुं नथी ?
६. साधु साध्वीजी पासे जता केटला अभिगम साचबवाना होय ? ते केटला छे ? कया कया ? (२)
७. दुःख अने अशांतिथी भरेली आ दुनियामां आत्माने कोण बचावे ?
८. आत्माअे कोने कोने पोताना मान्या छे ? तेथी शुं थाय छे ? (२)
९. सम्यग्ज्ञाननी प्राप्ति माटे शुं करवुं जोइअे ?
१०. ज्ञानवृद्धिनो ७ मो बोल लखो.

ख) जोडकां जोडो

(८)

१. त्याग	सुगंध
२. रस	राग
३. दुर्गंध	शालिभद्र
४. गौतमस्वामी	तप
५. सामायिक	स्वाद
६. द्वेष	महावीर स्वामी
७. धन्ना अणगार	पुणिया श्रावक
८. कष्ट सहन	विनय

प्र. ४ क) वार्ताना आधारे कोइपण ५ प्रश्नोना जवाब लखो.

(५)

१. पार्श्वनाथ भगवान काउस्सग करी ध्यानमा उभां हतां त्यारे मेघमाळी देवे शुं कर्युं ?
२. पार्श्वनाथ भगवानने जन्म समये केटला अने कया ज्ञान हतां ? तथा कया ज्ञान द्वारा जाणिने तेओ कमठ तापस पासे गया ?
३. शतानिक कई नगरीना राजा हतां ? तेमनी पत्नीनुं नाम शुं हतुं ? तथा पत्नीनी बहेननुं नाम शुं हतुं ?
४. नकामी अने खोटी चिंतामां मूळा शेठाणी शा माटे फसाई गयां ?
५. महावीर भगवानने केवो दुष्कर अभिग्रह लीधो हतो ?
६. नंदीषेणे मुनिराजने कह्युं के संसारना आवा दुःखोमाथी छूटवानो मने मार्ग बतावो. ता मुनिराजे नंदीषेणने शुं जवाब आप्यो ?
७. नंदीषेणे साधुनी सेवाभाव नी कीर्तिने, इन्द्र देवे वखाणी तेथी बे देव कइ रीते तेमनी सेवानी परिक्षा करवां आव्यां ?

ख) कोण कोने कहे छे ?

(५)

१. अरे तापस ! तमे आ शुं करो छे ?
२. अरे ! ओ दुष्ट ! तुं आ शुं करे छे ?
३. आने आपणी दीकरी गणीने राखजो !
४. बा ! जो आम न थयुं होत तो भगवानने आहार वहोराववानुं सौभाग्य मने केवी रीते प्राप्त थात ?
५. जोयो मोटो सेवाभावी साधु थयो छे ते ?

प्र. ५ काव्यनी पूर्ति करो.

(१०)

१. लोको कहेता तात महान छे. (२)
२. मने विधा मों संताडुं छुं. (३)
३. जे सुख अमे वाळवाना (३)
४. साधुओ शांति अपार (२)

जय जिनेन्द्र